# ६. नियम सबके लिए

### बताओ तो !

(१) परिवहन के नियम कौन-से हैं ?

(२) तुम्हारे अनुसार इन नियमों का पालन करने से क्या होगा ?

(३) तुम्हारे अनुसार इनमें से किस नियम में परिवर्तन होना चाहिए ?

(४) तुम्हारे अनुसार परिवहन अनुशासन के लिए और कौन-से नियम होने चाहिए ?

परिवहन सुचारु रूप से चलाने के लिए कुछ नियम होते हैं और हम इनका पालन करते हैं । इसी प्रकार सामाजिक जीवन में प्रत्येक व्यक्ति को जो काम करना है; उसके लिए कुछ नियम होते हैं । प्रत्येक व्यक्ति का उत्तरदायित्व तथा कर्तव्य क्या है; इसके लिए नियम बनाने पड़ते हैं । नियमों का पालन करने से हमारे व्यवहार में अनुशासन का निर्माण होता है । हम अधिक क्षमता से कार्य कर सकते हैं ।

नियम सबके लिए होते हैं । वे सभी के लिए समान रूप से लागू होते हैं । नियमों के आगे कोई भी छोटा अथवा बड़ा नहीं होता । नियमों का पालन न करने पर दंड मिलता है । नियमों का उल्लंघन करने पर दंड देते समय कोई भी भेदभाव नहीं किया जाता । इस प्रकार 'समानता' नियमों का आधार है ।

## समाज के लिए बनाए गए नियमों में होने वाले परिवर्तन

हमारा सामाजिक जीवन नियमों के आधार पर चलता है । ये नियम हम ही बनाते हैं । ये सबके हित के लिए होते हैं । इसलिए हम इनका पालन करते हैं । समाज के लिए बनाए गए इन नियमों में उचित परिवर्तन करने पड़ते हैं । समाज नियमन के लिए बनाए जाने वाले नियमों और प्रकृति के नियमों में अंतर होता है ।

प्रकृति का व्यवहार प्रकृति के नियमों के अनुसार चलता है । प्रकृति के नियम हम बदल नहीं सकते । सूर्य का उगना तथा अस्त होना अथवा ऋतुचक्र का परिवर्तन कभी भी नहीं रुकता । गुरुत्वाकर्षण बल का नियम बदलता नहीं । समुद्र का ज्वार-भाटा, चंद्रमा की बदलने वाली कलाएँ ये सभी घटनाएँ प्रकृति के नियमों के अनुसार होती रहती हैं । प्रकृति के नियम अधिक स्थिर तथा निश्चित होते हैं । ये कालबाह्य नहीं होते परंतु मनुष्यों के लिए बनाए गए नियमों में परिस्थिति के अनुसार परिवर्तन करने पड़ते हैं । जब हमारा देश अंग्रेजी शासन के अधीन था ; उस समय के नियम अलग थे । हमें स्वतंत्रता मिलने के बाद परिस्थिति बदली और उसके अनुसार सामूहिक जीवन के नियम बदले । उदा. जब स्वतंत्रता मिली ; उस समय २१ वर्ष के नागरिक को मतदान का अधिकार था । सन १९८८ के बाद मतदान का अधिकार व्यक्ति को १८ वर्ष पूर्ण हो जाने पर दिया गया ।

### करके देखो

अपने अभिभावकों और दादा-दादी से यह पूछो कि उनके समय में विद्यालय में कौन-से नियम थे । अपनी कॉपी में अपने-अपने अभिभावकों तथा दादा-दादी के लिए तीन स्तंभ तैयार करो । इन तीन स्तंभों में विद्यालय से संबंधित नियमों के विषय में जानकारी भरकर उनकी तुलना करो । कौन-से नियम बदल गए हैं और कौन-से नहीं बदले ; इसपर चर्चा करो ।

### इसे सदैव ध्यान में रखो !

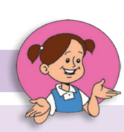

लड़का तथा लड़की अथवा स्त्री और पुरुष का स्तर समान होता है । उन्हें विकास के समान अवसर मिलने चाहिए ।

**बताओ तो !**

(१) तुम लड़की के प्रश्न का क्या उत्तर दोगे ?

(२) तुम्हारे अनुसार लड़का और लड़की का भेदभाव और किन-किन बातों में किया जाता है ?

लड़का और लड़की के बीच भेदभाव करना अनुचित है । लड़कियों को आहार कम देना अथवा उन्हें विद्‌यालय में न भेजना उनपर अन्याय करना है । ऐसा अन्याय समाज के अन्य घटकों पर भी होता दिखाई देता है ।

इन चित्रों में तुम्हें कौन-सा अन्याय होता हुआ लग रहा है ?

किसी भी प्रकार का अन्याय न हो इसलिए नियम बनाने पड़ते हैं ।

**बताओ तो !**

नीचे नियमों की एक सूची दी गई है । प्रत्येक नियम का एक उद्‌देश्य है । कुछ नियमों के अनेक उद्‌देश्य हैं। कक्षा में इनमें से प्रत्येक नियम पर चर्चा करो । 'मुझे ऐसा लगता है।' शीर्षक के अंतर्गत अपने मतों का अंकन करो :

(१) सार्वजनिक स्थानों पर ध्वनि निक्षेपक पर रात में दस बजे के बाद लगा प्रतिबंध ।

(२) लड़के-लड़कियों के लिए निःशुल्क प्राथमिक शिक्षा ।

(३) निर्माल्य तथा अन्य कूड़ा-करकट नदी में फेंकने पर प्रतिबंध ।

(४) पारिवारिक हिंसा से महिलाओं का संरक्षण ।

(५) बाल मजदूरों की नियुक्ति पर प्रतिबंध ।

(६) जंगल की कटाई तथा शिकार करने पर प्रतिबंध ।

हमारे जीवन में हम अनेक रूढ़ियों तथा परंपराओं का भी पालन करते रहते हैं । अपने माँ, पिता जी, दादी जी, दादा जी तथा सगे-संबंधियों को देखकर हम उन परंपराओं का पालन करते हैं । हमारे समाज में कई अच्छी-अच्छी रूढ़ियाँ तथा परंपराएँ हैं । हम त्योहार-उत्सव का सामूहिक आनंद लेते हैं । घर आए अतिथियों का स्वागत करके उनका सम्मान करते हैं । पर्यावरण का

संतुलन बनाए रखने वाली अनेक रीतियों का हम परंपरा से पालन करते हैं । प्राणियों के प्रति प्रेम एवं कृतज्ञता व्यक्त करते हैं । अहिंसा और शांति जैसे मूल्य प्राचीन काल से ही हमारे सामाजिक जीवन में रहे हैं ।

ऐसा होने पर भी कुछ रूढ़ियाँ तथा परंपराएँ अनुचित हैं । वे हमारे समाज के लिए लाभप्रद नहीं हैं । उदा. जातिभेद के कारण समाज में ऊँच-नीच की खाई का निर्माण हुआ । विषमता बढ़ गई । अस्पृश्यता एक अमानवीय और अन्यायकारी प्रथा थी । स्वतंत्र भारत के संविधान ने अस्पृश्यता की प्रथा समाप्त कर दी ।

कई बार कानून बनाकर अनिष्टकारी रूढ़ियों का निर्मूलन करना पड़ता है । हमारे देश में सती प्रथा तथा बाल विवाह जैसी रूढ़ियों अथवा प्रथाओं पर कानून बनाकर प्रतिबंध लगा दिया गया । जादू-टोना करके लोगों को ठगने जैसी कुरीति पर प्रतिबंध लगाने वाला कानून सर्वप्रथम महाराष्ट्र में बनाया गया । विवाह में दहेज लेने की प्रथा पर कानून द्‌वारा प्रतिबंध लगा दिया गया है ।

गलत रूढ़ियों-परंपराओं के कारण समाज के कुछ लोगों की उपेक्षा होती है । वे शिक्षा प्राप्त नहीं कर सकते । उन्हें प्रगति के अवसर नहीं मिलते । रोजगार नहीं मिलता । इससे गरीबी बढ़ती है । गरीबी और शिक्षा का अभाव हमारे सामाजिक जीवन की बड़ी बाधाएँ हैं । इन्हें दूर किया जाना चाहिए तो ही हम सभी एक साथ आगे बढ़ सकते हैं ।

## पर्यावरण संरक्षण

समाज में जिस प्रकार समता तथा न्याय स्थापित करने के लिए कानून आवश्यक होते हैं उसी प्रकार पर्यावरण के संरक्षण के लिए भी कानून की आवश्यकता होती है । हम अनेक बातों में प्रकृति पर निर्भर होते हैं । हमारी अनेक आवश्यकताओं की पूर्ति प्रकृति के कारण होती है । हमारे बाद आने वाली पीढ़ियों के लिए भी प्राकृतिक संसाधनों की आपूर्ति होनी चाहिए । इसके लिए हमें इन संसाधनों का संरक्षण करना चाहिए । इनका उपयोग सावधानीपूर्वक करना चाहिए ।

**हमारी सामाजिक समस्याएँ**

निरक्षरता

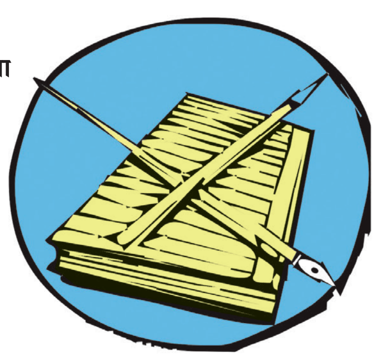

अंधविश्वास

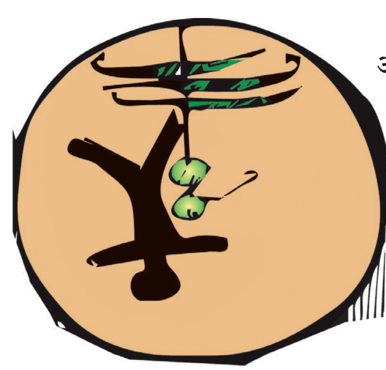

बालविवाह

बालमजदूरी

### क्या तुम जानते हो ?

- जातिभेद, स्त्री-पुरुष विषमता एवं स्त्री शिक्षा का अभाव ये सभी हमारे समाज की प्रमुख बाधाएँ थीं । इन्हें दूर करने का प्रयत्न महात्मा जोतीराव फुले, राजर्षि शाहू महाराज तथा डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर ने किया । स्त्रियों की शिक्षा के लिए सावित्रीबाई फुले को बहुत बड़ा संघर्ष करना पड़ा । इनकी सहयोगी फातिमा शेख ने इनको बहुमूल्य सहयोग दिया । महर्षि धोंडो केशव कर्वे ने स्त्री शिक्षा के लिए बड़े कार्य किए ।

इन सभी समाजसुधारकों के कार्य हमारे समाज में उचित परिवर्तन लाने में उत्तरदायी सिद्‌ध हुए ।

### हमने क्या सीखा ?

- मनुष्यों के लिए बनाए गए नियमों में परिवर्तन होते हैं ।
- प्राचीन काल में नियम धार्मिक परंपराओं तथा सामाजिक रूढ़ियों के रूप में थे ।
- अनिष्टकारी तथा अमानवीय रूढ़ियों और परंपराओं के विरोध में कानून बनाए जाते हैं ।

## स्वाध्याय

**१. रिक्त स्थानों में उचित शब्द लिखो :**

(अ) हमारा सामाजिक जीवन ................ के आधार पर चलता है ।

(आ) स्वतंत्र भारत के संविधान ने ............. की प्रथा समाप्त कर दी ।

(इ) गलत रूढ़ियों-परंपराओं के कारण समाज के कुछ लोगों की ............. होती है ।

**२. नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर एक-एक वाक्य में लिखो :**

(अ) नियम क्यों बनाने पड़ते हैं ?

(आ) हमारे सामाजिक जीवन में कौन-कौन-से मूल्य प्राचीन काल से रहे हैं ?

(इ) हमारे सामाजिक जीवन की बड़ी बाधाएँ कौन-सी हैं ?

**३. नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में लिखो :**

(अ) किन अनिष्टकारी प्रथाओं पर कानून ने प्रतिबंध लगाया ?

(आ) पर्यावरण के संरक्षण के लिए नियम क्यों बनाने पड़ते हैं ?

**उपक्रम :**

विद्‌यालय में निम्न अवसरों पर तुम जिन नियमों का पालन करते हो, उनकी सूची बनाओ ।

१. परिपाठ के समय

२. मध्याह्न भोजन के समय

३. क्रीडांगण में

४. विद्‌यालय के वाचनालय में

* * *

I6GRNP